*** अ नु क्र म णि का ***

पृष्ठ क्रमांक

प्रथम अध्याय : "विष्णु प्रभाकर व्यक्तित्व एवं कृतित्व" 01–20

जीवन वृत्त तथा व्यक्तित्व : जन्मस्थान, जन्म तिथि, माता–पिता, परिवार, शिक्षा–दीक्षा और कृतित्व में उनकी रचनाओं की चर्चा ।

द्वितीय अध्याय : "तट के बंधन" उपन्यास का वस्तुविधान 21–40

कथावस्तु की पृष्ठभूमि, स्थान और घटना ऐक्य तथा उसमें लेखक की भूमिका और उसके माध्यम से [redacted] नारी और देश की विविध समस्याएँ ।

तृतीय अध्याय : "तट के बंधन" उपन्यास में चित्रित प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण 41–75

उपन्यास में चित्रित प्रधान और गौण पुरुष तथा नारी पात्रों की स्वभावगत और चारित्रिक विशेषताओं का विश्लेषण ।

चतुर्थ अध्याय : "तट के बंधन" उपन्यास का शिल्पविधान 76–100

विष्णुजी के संवाद, भाषाशैली की विशेषताएँ और देश, काल वातावरण । उद्देश्य में लेखक ने नारी की विविध समस्याओं में विवाह की समस्या के अंतर्गत दहेज, उन्मुक्त प्रेम, प्रेम विवाह, आंतरजातीय विवाह, विधवा विवाह आदि समस्याओं का और नारी की अन्य समस्याओं में सौंदर्य, स्त्री–पुरुष संबंध, नारी अत्याचार, नारी पर सामाजिक बंधन आदि समस्याओं का विवेचन । देश की महत्वपूर्ण समस्याओं में विभाजन, महँगाई की समस्या, देहातों की स्थिति, भूख, बलिदान की भावना का अभाव, भ्रष्ट नेता और राजनीति, सरकारी अफसर और ठेकेदारों के भ्रष्टाचार तथा युवकों की उदासीनता आदि समस्याओं का विवेचन ।

पंचम अध्याय : "तट के बंधन" उपन्यास में चित्रित समस्याएँ 101–130

सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समस्याएँ । उसमें नारी की विविध समस्याओं में विवाह की समस्या के अंतर्गत दहेज, उन्मुक्त प्रेम, प्रेमविवाह, आंतरजातीय विवाह, विधवा विवाह आदि समस्याएँ तथा नारी की अन्य समस्याओं में सौंदर्य, स्त्री–पुरुष संबंध, नारी अत्याचार, नारी पर सामाजिक बंधन आदि समस्याएँ । देश की महत्वपूर्ण समस्याओं में विभाजन,

पृष्ठ क्र.

महँगाई की समस्या, देहातों की स्थिति, भूख, बलिदान की भावना का अभाव, भ्रष्ट नेता और राजनीति, सरकारी अफसर, ठेकेदारों के भ्रष्टाचार तथा युवकों की उदासीनता आदि समस्याएँ ।

उपसंहार : 131–136

परिशिष्ट एवं संदर्भ ग्रंथ सूची : 137–141

********** xxxxx **********